रही है। इन रिएक्टरों की आपूर्ति अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण के दिशानिर्देशों के अनुरूप की जाएगी।

(ख) इस परियोजना की लागत के ब्योरे के बारे में लगभग 2 ½ वर्षों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के तैयार हो जाने के बाद पता चलेगा।

(ग) इन बिजलीघरों को चालू कर दिये जाने के बाद भारत की परमाणु –विद्युत उत्पादन की स्थापित क्षमता में 2000 मेगावाट की वृद्धी हो जाएगी।

(घ) देश में परमाणू विद्युत संयंत्रों, उनकी अवस्थिति और क्षमता का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

क्रमांक	परमाणु बिजलीघर और उनकी अवस्थिति	यूनिट संख्या	मौजूदा क्षमता मेगावाटा
1.	महारष्ट्र में तारापुर में अवस्थित	टीएपीएस – 1	160
	तारापुर परमाणु बिजलीघर	टीएपीएस – 2	160
2.	राजस्थान में रावतभाटा में अवस्थित	आरएपीस – 1	100
	राजस्थान परमाणु बिजलीघर	आरएपीस – 2	200
3.	तमिलनाडु में कलपाक्कम में अवस्थित मद्रास	एमएपीएस – 1	170
	परमाणु बिजलीघर	एमएपीएस – 2	170
4.	उत्तर प्रदेश में नरोरा में अवस्थित नरोरा	एनएपीस – 1	220
	परमाणु बिजलीघर	एनएपीस – 1	220
5.	गुजरात में ककरापार में अवस्थित ककरापार	केएपीएस – 1	220
	परमाणु बिजलीघर	केएपीएस – 2	220

इस समय निर्माणाधीन कर्नाटक के कैंगा परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 1 और 2 तथा राजस्थान में राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 3 और 4 की कुल क्षमता 880 मेगावाट है। इसके 1998-99 में चालू हो जाने की आशा है।

Exploration of Minerals in Vidarbha Region

4270. SHRI SATISH PRADHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that preliminary explorations carried out in Vidarbha region of Maharashtra indicate availability of Uranium and other rare earth minerals;

(b) if so, the details of explorations carried out in Mahrashtra during the last three years;

(c) the details regarding the outcome thereof; and

(d) thedetails of further action-plan worked out to harness mineral resources in Maharashtra and the package o

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (c) Preliminary surveys in the Vidarbha Region of Mahrashtra indicate favourable geological horizon particularly in Bhandara and Nagpur districts for rare earth, rare metal and uranium mineralisation. Although no economic concentration of uranium has been locate in this region, there were a few rare-metal and rare-earth mineral occurrences located at Pauninala and Salai area in Nagpur district. None of these occurrences, however, has been found to be economically viable.

(d) Since no economically viable concentration of uranium has been discovered, the question of working out a detailed action plan for exploitation thereof does not arise.

राज्यों में यूरेनियम भण्डार

4271. **श्री राधाकिशन मालवीय :**
श्री अजीत जोगी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :